

- गठिया रोग शरीर के जोड़ों में यूरिक अम्ल के जमाव से होता है.
- ड्रॉप्सी रोग सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट ,सायनायड के मिलावट या उजला रंग करने वाली मिलावट के कारण होता है.
- पार्थीनियम पौधे की पत्ती के निचोड़ का उपयोग नैनो कणों के जैव संश्लेषण में किया जाता है.यह कैंसर उपचार में लाभकारी है.
- मलेरिया से प्रभावित होने वाला अंग प्लीहा (SPLEEN) है.
- मलेरिया प्लाजमोडियम नामक एक कोशिकीय प्रोटोजोआ जंतु के कारण होता है.तथा इसकी वाहक मादा एनाफिलीज मच्छर होती है .
- डेंगू एक बुखार है जो विषाणु के संक्रमण से होता है ,जिसे क्यूलेक्स फैटिगेंस तथा एडीज एजिप्टाइनामक मच्छर फैलाते है .
- डेंगू बुखार में पीड़ित रोगी के रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाती है.
- पीला बुखार या पित्त ज्वर एक विषाणु जनित रोग है, जिसका संवहन एडीज इजिप्टि जाती के मच्छरों के द्वारा होता है.
- एन्थोफिबिया एक बीमारी है जिसमे पुष्पों तथा पुष्पों के विभिन्न भाग से भय उत्पन्न होता है .
- हाइड्रोफिबिया – पानी से डर .
- मेनेंजाइटिस, वायरस, बैक्टेरिया तथा अन्य माइक्रोऑर्गेनिज्म के संक्रमण से मस्तिष्क तथा मेरु रज्जु पर चढ़ी झिल्ली में सूजन आ जाने से होने वाला रोग है.
- हिस्टीरिया रोग सामान्यतः जवान अविवाहित महिलाओं में होता है.
- सिलिकॉसिस एक फेफड़े सम्बंधित बीमारी है .
- आयोडीन की कमी से घेंघा रोग होता है.
- MRI – मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग
- BMD परिक्षण ऑस्टियोपोरोसिस रोग की पहचान के लिए किया जाता है.ऑस्टियोपोरोसिस हड्डी का एक रोग है.
- सैल्मोनेला बैसिलाई नामक जीवाणु के कारण भोजन विषाक्त होता है.
- इताई इताई रोग, कैडमियम के दीर्घकालीन विषाक्तन से होता है.
- डिप्थीरिया , कुकुर खांसी तथा टिटनेस से बचाव हेतु नवजात शिशु को DPT वैक्सीन दिया जाता है.
- ब्लू बेबी सिंड्रोम रोग से बच्चे प्रभावित होते है जब जल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक हो जाती है.
- दिल का दौरा पड़ने के पहले घंटे को गोल्डन आवर के नाम से जाना जाता है.
- पोटैशियम हृदय की धड़कन एवं नाडी के कार्यों को संचालित करता है.
- लम्बे समय तक उपवास रखने का सर्वाधिक प्रभाव गुर्दे पर पड़ता है.
- कोबाल्ट 60 – शरीर के अंतरंग के अबुर्द उपचार के लिए .
- आयोडीन 131 – थायरॉइड अबुर्द का उपचार.
- फास्फोरस – 32 श्वेतरक्तता का उपचार (ल्यूकीमिया)
- गोल्ड 198 – कैंसर का उपचार
- आर्सेनिक 74 – ट्यूमर की पहचान के लिए

- हीमोफीलिया एक अनुवांशिक रोग है जिसमें, रूधिर में कुछ प्रोटीन की कमी के कारण थक्का नहीं जमता.
- एल्जाइमर रोग से मानव शरीर का प्रभावित होने वाला अंग मष्तिष्क है.
- विकिरणों से सर्वाधिक प्रभावित आँख और सबसे कम प्रभावित मस्तिष्क होता है.
- पोलियो का वायरस शरीर में दूषित भोजन तथा जल के द्वारा प्रवेश करता है .
- पोलियो का कारण विषाणु है.
- पोलियो की खोज जोन्स साल्क ने की.
- एथलीट फूट नामक बीमारी ट्राइकोफाइकेन नामक विशेष फफूंदी द्वारा होता है.
- हेपेटाइटिस बी वायरस हेपा डीएनए वायरस है जिसके कारण यकृत रोग होता है.
- **EBOLA** एक ऐसा रोग है जो विषाणु से होता है. EBOLA एक ऐसा रोग है जो मरीज के संपर्क में आने से फैलता है.
- एफ्लाटाॉक्सिन खाद्य विषाक्तन के द्वारा सामान्यतः मनुष्य का यकृत प्रभावित होता है.
- बर्ड फ्लू, एवियन इन्फ्लुएंजा नामक रोग का ही प्रचलित नाम है जो कि **H5N1** नामक वायरस के द्वारा पैदा होता है.
- किसी भी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में कैथ लैब होता है ,जिसके द्वारा ‘कोरोनरी धमनी रोग’की पहचान एवं उपचार के लिए विभिन्न परिक्षण किए जाते हैं.
- एम्फासीमा , “क्रोनिक प्रतिरोधी फुफ्फुसीय रोग” है जिससे मनुष्य का फेफड़ा प्रभावित होता है.
- **Cu -t** का सर्वसामान्य दुष्प्रभाव रक्तस्त्राव है.
- इंटरफेरॉन एक प्रकार का प्रोटीन है जिसका प्रयोग गुर्दे एवं रक्त कैंसर के उपचार के लिए किया जाता है.
- थैलीसीमिया एक वंशानुगत बीमारी है, जिसमें रोगी के शरीर में हीमोग्लोबिन के संश्लेषण की क्षमता नहीं होती है.
- कुष्ठ रोग जीवाणु के द्वारा उत्पन्न किया जाता है.
- फुट एवं माउथ रोग, मुख्यतः गाय, भैंस ,बकरी तथा सुअर में पाया जाता है. यह रोग मुख्यतः विषाणु के द्वारा होता है .
- ब्राइट्स रोग को यूरेमिया भी कहते हैं तथा यह शरीर के गुर्दे को प्रभावित करता है.
- **BCG** का टीका तपेदिक से बचाव के लिए शिशु को जन्म के तुरंत बाद लगाया जाता है.
- दन्त क्षय का कारण बैक्टीरियल संक्रमण है.
- चेचक, पॉक्स वायरस के द्वारा होता है जो एक संक्रामक रोग है.
- पीलिया से मनुष्य का यकृत अंग दुष्प्रभावित होता है.
- तम्बाकू एवं गुटखा के सेवन से ओरल सबम्युकस बीमारी होता है.
- **HIV** वायरस से अत्यंत घातक रोग एड्स होता है.
- AIDS के लिए उत्तरदायी विषाणु ,रेट्रो समूह का विषाणु है.
- **ELISA** परीक्षण, AIDS की पहचान के लिए किया जाता है.